कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	ii	ii	iv
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	iv	iv	i	ii
(d)	ii	iv	i	ii

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (b) सही सुमेलित है-

सूची-I (मृदा राजस्थान)		सूची-II (जिले)
लाल रेतीली मिट्टी		नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर, चुरू, झुंझुनू
पीली, भूरी रेतीली मिट्टी		नागौर, पाली
लवणीय मिट्टी		नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर
भूरी रेतीली मिट्टी		पाली, सिरोही, सीकर, झुंझुनूं

309. राजस्थान के किन जिलों में मध्यम काली मिट्टी पाई जाती है?

(a) कोटा-बूंदी-झालावाड़
(b) उदयपुर–डूंगरपुर-बांसवाड़ा
(c) टोंक-अजमेर-पाली
(d) चुरू-झुंझुनू-सीकर

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (a) : राजस्थान में मध्यम काली मिट्टी मुख्यतः कोटा, बूंदी, झालवाड़ और बारां जिलों में पायी जाती है। इस मिट्टी का निर्माण लावा पदार्थों से हुआ है। इन मिट्टियो में फॉस्फेट, नाइट्रोजन और पोटाश की पर्याप्त मात्रा होती है। यह मिट्टी कपास की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है।

310. कोटा,बूंदी, झालावाड़ में कौनसी मृदा पायी जाती है?

(a) लाल एवं पीली मृदा
(b) मरूस्थली मृदा
(c) लाल एवं काली मिश्रित मृदा
(d) मध्यम काली मृदा

वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

311. दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में इनमें से कौन-सी मृदा की प्रधानता है?

(a) लाल मृदा (b) भूरी रेतीली मृदा
(c) मध्यम काली मृदा (d) लाल एवं पीली मृदा

RPSC-2011

Ans. (c) : दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में ''मध्यम काली मृदा'' की प्रधानता है। इसमें राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी जिले कोटा, बूंदी, बारां शामिल है। इस प्रकार की मिट्टी में चूना, फास्फोरिक अम्ल और हयूमस की कमी होती है। इस मिट्टी में गेहूँ,चावल,कपास और तांबाकू सहित कई प्रकार की फसले उगाई जाती है।

312. पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?

(a) पीली-भूरी
(b) धूसर-भूरी(ग्रे-ब्राउन)जलोढ़
(c) लाल दोमट
(d) गहरी मध्यम काली

RPSC-2018

Ans. (a) : पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में पीली-भूरी रेतीली मिट्टी पाई जाती है। इस मिट्टी में रेत व बालू दोमट का मिश्रण होता है। इसे स्टेपी मिट्टी भी कहते हैं। यह कृषि के लिए उत्तम होती है।

313. निम्न में से कौन सा राजस्थान के बांगर प्रदेश का भाग नहीं है?

(a) शेखावाटी (b) घग्घर बेसिन
(c) बनास बेसिन (d) गोडवार बेसिन

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (c) : बनास बेसिन राजस्थान के बांगर प्रदेश का भाग नहीं है। पश्चिमी रेतीले मैदान एवं अरावली पर्वतमाला के मध्य विस्तृत अर्द्धशुष्क मैदान को 'राजस्थान बांगर' कहते हैं, वास्तव में यह एक अर्द्धस्थलीय क्षेत्र है। राजस्थान बांगर को चार उपविभागों में बाँटा जा सकता है–
1. गोडवाड़ बेसिन (लूनी बेसिन)
2. घग्घर बेसिन
3. शेखावटी क्षेत्र
4. नागौर उच्च भूमि

314. उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मृदा उर्वरता में अवनयन का प्रमुख क्या कारण है?

(a) गहन कृषि (b) जल-भराव
(c) पवन अपरदन (d) नाली अपरदन

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)

Ans. (b) : उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मृदा उर्वरता में अवनयन का प्रमुख कारण जल-भराव है। जल-भराव के कारण पोषक तत्व उपस्थित नही रह पाते जिससे मृदा उर्वरता में कमी आ जाती है।

315. लाल व पीली मिट्टी वाला जिलों का युग्म है–

(a) भरतपुर – धौलपुर
(b) झालावाड़ – बारां
(c) श्रीगंगानगर – हनुमानगढ़
(d) सवाई माधोपुर – राजसमन्द

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I

Ans. (d) : प्रश्नगत विकल्पों में से लाल व पीली मिट्टी वाले जिलों का युग्म सवाई माधोपुर-राजसमन्द है। मिट्टी का लाल व पीला रंग लौह ऑक्साइड के जलयोजन की उच्च मात्रा के कारण होता है। लाल व पीली मिट्टी में नाइट्रोजन एवं जैविक कारकों की अल्पता होती है तथा कैल्शियम कार्बोनेट नगण्य होता है। राजस्थान में यह मिट्टी सवाई माधोपुर, राजसमन्द, भीलवाड़ा, अजमेर व सिरोही जिलों में पायी जाती है।

316. मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी के अपरदन को रोकने के लिये क्या किया जाना चाहिये?

(a) फसलों के हेर-फेर अपनाना
(b) वृक्षों की पट्टी लगाना
(c) खेतों में मेड़बन्दी करना
(d) चारागाहों को विकसित करना

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I